



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शनिवार, 6 जून, 2015/16 ज्येष्ठ, 1937

हिमाचल प्रदेश सरकार

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला 3 जून, 2015

संख्या ई0एक्स0एन0-एफ(10)-2/2015-लूज़.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005(2005 का अधिनियम संख्यांक 12) की धारा 63 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विभाग की अधिसूचना संख्या ई0 एक्स0एन0-एफ(5)-4/2005 तारीख 2 दिसम्बर, 2005 द्वारा अधिसूचित और राजपत्र, (असाधारण) हिमाचल प्रदेश में तारीख 7 दिसम्बर, 2005 को प्रकाशित, हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर (तृतीय संशोधन) नियम, 2015 हैं।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. **नियम 2 का संशोधन.**—हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर, नियम, 2015, (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त नियम' कहा गया है) के नियम 2 के खण्ड (घ) और स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(घ) ‘समूचित सरकारी खजाना’ से खजाना या साइबर खजाना या उप-खजाना या राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर यथा अधिसूचित बैंक की ऐसी शाखा, जिसे राज्य में सरकारी संव्यवहारों को संचालित करने के प्राधिकृत किया जाए, अभिप्रेत है;”।

3. **नियम 36 का संशोधन.**—उक्त नियमों के नियम 36 के उप-नियम (2) के खण्ड (ii) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(ii) अधिनियम की धारा 16 की उपधारा (4) के अधीन कर, विवरणी दाखिल करने से पूर्व, यथास्थिति, प्रत्येक मास या वर्ष की तिमाही के अवसान से तीस दिन के भीतर ऐसा एकमुश्त कर और कर का संदाय करेगा।”।

4. **नियम 38 का संशोधन.**—उक्त नियमों के नियम 38 के उप-नियम-3 में,—

(क) “ ‘क’ और ‘ख’ श्रेणी के ठेकेदारों की बाबत दो प्रतिशत के बराबर की रकम तथा ‘ग’ और ‘घ’ श्रेणी की ठेकेदारों जिनका वार्षिक आवर्त तीस लाख रुपए तक है, की बाबत अधिनियम की धारा 17 के अधीन कर के प्रति (हेतु)ऐसी राशि के तीन प्रतिशत के बराबर रकम की कटौती करेगा”, शब्दों, अकों और कोष्ठक के स्थान पर, “समस्त संकर्म—ठेकेदारों से अधिनियम की धारा 17 के अधीन कर के प्रति ऐसी राशि के 3 प्रतिशत के बराबर रकम की कटौती करेगा” शब्द और अंक रखे जाएंगे; और (ख) परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु ग और घ श्रेणी के ठेकेदारों जिनका वार्षिक आवर्त, तीस लाख रुपए तक का है, की बाबत, धारा 16 के अधीन कोई विवरणी दायर करनी अपेक्षित नहीं होगी और धारा 21 के अधीन कोई निर्धारण करना भी अपेक्षित नहीं होगा तथा तीन प्रतिशत की दर से की गई कर की कटौती को पूर्ण और अंतिम संदाय समझा जाएगा।”।

5. **नियम 41 का संशोधन.**—उक्त नियमों के नियम 41 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“41. विक्रयों और क्रयों की सूची,—

प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी प्ररूप मू0प0क0 15 में विवरणी सहित निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा:—

(i) प्ररूप एल0एस0-I और एल0पी0 I में विक्रय और क्रय;

(ii) एल.एस.II और एल.पी.II में विक्रय विवरणी और क्रय विवरणी।”।

6. **नियम 45 का संशोधन.**—उक्त नियमों के, नियम 45 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(1) रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी (हिमाचल प्रदेश लिकर लाइसेंस रूलज, 1986 के अधीन लिकर के फुटकर विक्रय के लिए, रेस्तरां को चलाने के लिए बार अनुज्ञप्ति धारण करने वाले व्यौहारी और औशधियों का कारबार करने वाले व्यौहारी से अन्यथा) के पास धारा 7 या धारा 16 की उपधारा (2) के अधीन प्रशमन के रूप में उपधारणात्मक एकमुश्त कर देय करने का विकल्प होगा और इस अध्याय में विहित रीति में कर सदत्त करेगा।”।

7. नियम 50 का संशोधन.—उक्त नियमों के नियम 50 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“50. अन्य व्यवहारियों की बाबत एकमुश्त कर स्कीम.—

- (1) इस नियम में विनिर्दिष्ट कोई व्यौहारी, धारा 7 के अधीन या धारा 16 की उपधारा (2) के अधीन और नियम 45 और इस नियम के उपबन्धों के अध्याधीन नीचे विहित रीति में एकमुश्त कर का संदाय करेगा।
- (2) इस नियम के प्रयोजन के लिए फुटकर विक्रेता, अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी होगा, जो राज्य में व्यौहारियों या अन्य फुटकर विक्रेताओं से क्रय करने के पश्चात् या उसका राज्य के बाहर से अन्तरराज्यिक व्यापार या वाणिज्य के क्रम में क्रय करने के पश्चात् केवल राज्य में ही विक्रय करता है।
- (3) इस नियम के अन्य उपबन्धों के अध्याधीन किसी फुटकर विक्रेता जिसका आवर्त पिछले वर्ष के दौरान पच्चीस लाख रूपए से अनधिक हो, किसी भी समय, नीचे दिए गए प्ररूप एल—I में आवेदन करके उपनियम (4), के उपबन्धों के अनुसार संगणित एकमुश्त कर के संदाय के लिए विकल्प दे सकेगा और फुटकर विक्रेता भी, जो अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदन करता है, नीचे दिए गए प्ररूप एल—2 में आवेदन करके ससमायिक ऐसा विकल्प दे सकेगा। तथापि विद्यमान फुटकर विक्रय व्यौहारी जो प्रशमन के फलस्वरूप पहले ही एकमुश्त कर का संदाय कर रहे हैं, वह ऐसा करना जारी रखेंगे, यदि, उनकी आवर्त पच्चीस लाख रूपए से अनधिक है और इसलिए ऐसे व्यौहारी को, इस बाबत नया आवेदन/विकल्प दायर करना/देना अपेक्षित नहीं होगा।

प्ररूप एल—I में आवेदन

हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 50 के अधीन आवेदन का प्ररूप

(उस व्यौहारी हेतु जो अधिनियम के अधीन पहले से रजिस्ट्रीकृत है)

सेवा में,

निर्धारण प्राधिकारी

जिला.....

हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 7 और 16 की उपधारा (2) के अधीन प्रशमन के रूप में एकमुश्त कर सदत्त करने का विकल्प मैं/हम (नाम) आयु सुपुत्र/ सुपुत्री श्री/श्रीमतिनिवासी गांव/शहर तहसील जिला..... मैसर्ज.....

टिन धारक..... के स्वत्वधारी/भागीदार, हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 50 के उपबन्धों के अनुसार, एतद्द्वारा, हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम 2005 की धारा 7 और धारा 16 की उपधारा(2) के अधीन प्रशमन फलस्वरूप एकमुश्त कर संदाय करने हेतु विकल्प देते हैं।

2. कारबार समुत्थान एक फुटकर विक्रेता है और मुख्यतः निम्नलिखित वस्तुओं का कारबार करता है:—

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)
- (vi)

3. पूर्ववर्ती वर्ष की आवर्त लगभग..... लाख रुपए थी।

स्थान..... आवेदन करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर
तारीख..... हैसियत.....

अभिस्वीकृति

मैसर्ज से विकल्प प्राप्त हुआ ।

(टिन सहित, पूर्ण नाम और पता, यदि कोई हो, वर्णित करें)

स्थान..... निर्धारण प्राधिकारी के हस्ताक्षर
तारीख..... बड़े अक्षरों में नाम.....
पदनाम

आवेदन प्ररूप एल.-2

हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 50 के अधीन आवेदन का प्ररूप (ऐसे व्यौहारी के लिए जो अधिनियम के अधीन ससामायिक रूप से रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन कर रहा है)

सेवा में,

निर्धारण प्राधिकारी,
जिला.....

मैं/हम..... (नाम) आयु सुपुत्र/सुपुत्री श्री/श्रीमती.....का/के स्वत्वधारी/भागीदार निवासी ग्राम/नगर..... तहसील..... जिला..... हिमाचल प्रदेश का/के निवासी हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 के अधीन आवेदन कर रहा हूँ/रही हूँ/रहे हैं और हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 50 के निबंधनों के अनुसार कारबार के प्रारम्भ (कर का संदाय करने के लिए दायी होने की तारीख) से कर के बदले में एक मुश्त कर के संदाय के लिए विकल्प देता हूँ/देती हूँ/देते हैं।

2. प्रचालन के पूर्ण वर्ष में कारबार का सकल आवर्त रुपए संभावित है।

स्थान..... आवेदन करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर
तारीख..... हैसियत.....

अभिस्वीकृति

मैसर्ज से विकल्प प्राप्त हुआ है।

(टिन, यदि कोई है, सहित पूरा नाम और पते का उल्लेख करें)

स्थान:.....

निर्धारण प्राधिकारी के हस्ताक्षर

तारीख:.....

नाम बड़े अक्षरों में

पदनाम

3. उप-नियम (2) के अधीन किया गया आवेदन, उसमें दी गई सूचना की शुद्धता के अध्यधीन होगा और आवेदन करने की तारीख से अनुज्ञात किया जाएगा।

4. फुटकर विक्रेता (जिसे इसमें इसके पश्चात् एकमुश्त फुटकर विक्रेता कहा गया है) जिसका आवेदन पूर्ववर्ती उपनियम के अधीन अनुज्ञात किया गया है, मूल्य परिवर्धित कर प्ररूप-15-ए में विवरणियां प्रस्तुत करेगा और तिमाही के समाप्त होने के तीस दिन के भीतर त्रैमासिक अन्तरालों पर एकमुश्त कर का संदाय करेगा। तिमाही के लिए एकमुश्त कर तिमाही के दौरान कराधेय आवर्त के एक प्रतिशत की दर से संगणित किया जाएगा। तथापि, तिमाही के दौरान राज्य के बाहर से अन्तरराज्यिक व्यापार या वाणिज्य के क्रम में क्रय किए जाने वाले कराधेय माल की दशा में कर वास्तविक आधार पर अर्थात् राज्य में ऐसे माल के विक्रय पर लागू कर के अनुसार संदत्त करना होगा:

परन्तु एकमुश्त कर की संगणना करने के प्रयोजन के लिए माल का विक्रय मूल्य बीजक में दर्शित समस्त करों और प्रभारों सहित बीजक मूल्य होगा।

5. एकमुश्त कर का संदाय करने वाला फुटकर विक्रेता छूट प्राप्त और कराधेय माल की बाबत पृथकतः उसके द्वारा किए गए क्रयों का नियमित लेखा रखेगा। उससे विक्रयों का लेखा रखना अपेक्षित नहीं होगा किन्तु यदि वह ऐसे माल का विक्रय करता है जिसकी कीमत दस हजार रुपए से अधिक है या क्रेता माल के बीजक के लिए आग्रह करता है तो वह क्रेता को फुटकर विक्रय बीजक जारी करेगा और ऐसे सभी बीजकों का अभिलेख रखेगा।

6. एकमुश्त कर का संदाय करने वाला फुटकर विक्रेता जिसका एक वर्ष में आवर्त पच्चीस लाख रुपए से अधिक है, उस वर्ष के दौरान एक मुश्त कर का संदाय जारी रखेगा और उसके मामले कर समझौता (काम्पजिशन ऑफ टैक्स) आगामी प्रथम अप्रैल से प्रभावी नहीं रहेगा। ऐसा फुटकर विक्रेता, 31 मार्च को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए उसकी विवरणी में स्टॉक में रखे गए माल के सम्बन्ध में सूचना देने के अध्यधीन, 31 मार्च की समाप्ति पर उसके द्वारा व्यापार के लिए रखे गए माल के स्टॉक पर आगत कर प्रत्यय के दावे का हकदार होगा।

7. एक मुश्त कर का संदाय करने वाला फुटकर विक्रेता प्ररूप-सी में घोषणा करने पर राज्य के बाहर से माल का क्रय करने के लिए प्राधिकृत होगा किन्तु वह घोषणा के लिए प्ररूप-एफ का उपयोग करने के लिए प्राधिकृत नहीं होगा। उसे राज्य में माल के आयात के लिए हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 61 और 61क के अनुसार मू0प0क0 प्ररूप-21-अ में घोषणा करनी अपेक्षित होगी।

8. **नियम 64 का संशोधन.**—उक्त नियमों के नियम 64 के उपनियम(2) में परन्तुक के सिवाय खण्ड (i) और (ii) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(i) सही मानी जाएगी, यदि इसका पाठ, व्यौहारी द्वारा वार्षिक विवरणी सहित दाखिल किए गए तुलन-पत्र/लाभ और हानि लेखा/व्यापार लेखा के अनुरूप हो और इस पाठ को आगामी वित्तीय वर्ष की 20 मार्च तक अभिलेख में उपलब्ध तत्प्रतिकूल किसी प्रतिकूल सूचना द्वारा अधिक्षिप्त नहीं किया जा सकता है; और

(ii) विशिष्टतया सारवान रूप में सम्पूर्ण मानी जाएगी यदि इसमें दी जाने वाली अपेक्षित समस्त सूचना अन्तर्विष्ट है, अंकगणितीय रूप से सही है और यथालागू केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 या हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 के अधीन यथा विहित वैधानिक

(कानूनी) प्ररूपों इसके साथ संलग्न है या विहित सूचियों, दस्तावेजों और विवरणियों के अनुसार देय कर की संदाय के सबूत व्यौहारी द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित है:।”।

9. नियम 65 का संशोधन.—उक्त नियमों के नियम 65 के उप-नियम (1) में, परन्तुक के सिवाय, निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(1) नियम 66 के उप-नियम (1) के अधीन संवीक्षा के लिए चयनित मामलों के सिवाए अन्य समस्त मामले, नियम 64 के उप-नियम (1) के अधीन कर के निर्धारण के लिए समझे जाएंगे और ऐसे मामलों की बावत सम्यक् सत्यापन के पश्चात् समझा गया निर्धारण आदेश सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) पद्धति के माध्यम से तैयार किया जाएगा और अनुवर्ती वित्तीय वर्ष के 20 मार्च तक निर्धारण प्राधिकारी द्वारा ई-मेल द्वारा भेजा जाएगा और इसे निर्धारण आदेश की प्रति समझा जाएगा। ऐसे समस्त व्यौहारियों की सूची विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट पर आगामी वित्तीय वर्ष..... के 30 मार्च तक प्रकाशित की जाएगी।

(2) निर्णित निर्धारण आदेश निम्न प्रकार से होगा:—

निर्णित निर्धारण आदेश

“वार्षिक विवरणी की अभिस्वीकृति संख्या:..... तारीख..... के अनुसार हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 21 (1) के अधीन आपका मामला..... निर्धारण वर्ष के लिए निर्धारित किया गया है। तथापि, यदि आपका मामला बाद में किसी समय संवीक्षा/निर्धारण के लिए चयनित होता है तो आपको तदनुसार सूचित कर दिया जाएगा।”।

10. नियम 66 का संशोधन.—उक्त नियमों के नियम 66 में,—

(क) खण्ड (iii) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(iii-क) ‘सी’ और ‘डी’ श्रेणी के संविदाकारों के सिवाय, व्यौहारी जो संविदा संकर्मों के निष्पादन में लगे हुए हैं और प्रतिदाय का दावा कर रहे हैं;” और (ख) विद्यमान खण्ड (ix) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(ix) कर के अपवंचन के बारे में परिनिश्चित आसूचना पर आधारित और विभाग द्वारा उपयोग में लाए जा रहे आई.टी. सॉफ्टवेयर द्वारा प्रकट किए गए बेमेल दर्शाए गए कर अपवंचन के मामले;”।

11. नए नियम 73-अ का अन्तःस्थाप.—उक्त नियमों के नियम 73 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“73-अ. टिन को लॉक करने के लिए नोटिस:— धारा 50-अ के प्रयोजन के लिए कर पहचान संख्या की लॉकिंग और ई-सर्विसिज को स्थगित करने के तुरन्त पश्चात् प्ररूप-45 में नोटिस जारी किया जाएगा।

प्ररूप-45

(नियम 73-अ देखें)

कर पहचान संख्या की लॉकिंग और ई-सर्विसिज के स्थगन के लिए नोटिस

व्यक्ति का नाम:

कर पहचान संख्या:

पता:

ऐसा ध्यान में आया है कि इस कार्यालय में उपलब्ध अभिलेख के अनुसार आपने निम्नलिखित कार्य/अपराध किए हैं: [समुचित खाने में, कृपया सही का निषान लगाएं या भरें, जो भी लागू हो]

..... कर की अवधि के लिए विवरणी दाखिल करने में असफल रहा/रहे हैं;
 से..... तक की कर की अवधि या अवधियों के लिए प्रस्तुत की गई विवरणी में जानबूझकर अधूरी या गलत सूचना दी है;
 से तक की अवधि (अवधियों) के लिए अधिनियम के अधीन देय कर, ब्याज और शास्ति संदत्त करने में असफल रहा है/रहे हैं;
 वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी दाखिल करने में असफल रहा है/रहे हैं;
 अभिलेख पर उपलब्ध सूचना के अनुसार आप द्वारा संचालित किए गए संव्यवहारों की तत्स्थानी विवरणियाँ दाखिल करने में असफल रहा है/रहे हैं;
घोषित स्थान पर कारबार संचालित नहीं कर रहा है/रहे हैं; जानबूझकर नोटिस की तामील से बच रहा है/रहे हैं;
को जारी नोटिस की अपेक्षाओं का अनुपालन करने में असफल रहा है/रहे हैं; (विनिर्दिष्ट करें)

तदनुसार, इसमें इससे पूर्व यथा निर्दिष्ट आपके कृत्य राजस्व के हित के प्रतिकूल है।

आपको एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आपकी कर पहचान संख्या और ई-सर्विसिज लॉक कर दी गई हैं। कृपया ध्यान दें कि आप अन्तरराज्यिक संव्यवहारों के लिए माल नहीं ले जा सकते या उपलब्ध ई-सर्विसिज को तब तक प्राप्त नहीं कर सकते जब तक कि आपकी अनुपालना प्राप्त नहीं हो जाती है। तथापि आपको ऐसा साक्ष्य, अभिलेख या दस्तावेज जिस पर विश्वास करते हुए आप उपरोक्त अभिकथनों का खण्डन करना चाहते हैं, को प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाता है। अतः आपको अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में तारीख.....को पूर्वान्ह/अपरान्ह व्यक्तिगत रूप से या अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से हाजिर होने और ऐसे साक्ष्य, अभिलेख या दस्तावेज प्रस्तुत करने के निदेश दिए जाते हैं। यदि आप नियत तारीख और समय पर उपस्थित होने और सुसंगत साक्ष्य, अभिलेख या दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहते हैं तो कर पहचान संख्या और ई-सर्विसिज तब तक पुनः खोली नहीं जाएंगी जब तक कि अनुपालना नहीं कर दी जाती है।

स्थान: पदाभिहित अधिकारी
 तारीख:
 कार्यालय की मुहर

12. प्ररूप मू0प0क0 -2, मू0प0क0 2-अ और मू0प0क0 15-ऐ का प्रतिस्थापन.—उक्त नियमों से संलग्न प्ररूप मू0प0क0 2, मू0प0क0 2-अ और मू0प0क0 15-ऐ के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखे जाएंगे, अर्थात्:—

“प्ररूप मू0प0क0 -2

[सेन्ट्रल सेल्ज टैक्स (हिमाचल प्रदेश) रूलज, 1970 के साथ पठित हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के अधीन नियम 3, (2), 33(1) और 37(2) देखें]

चालान

मूल	तीन प्रतियों में
द्विप्रतीक	चार प्रतियों में

.....खजाना/उप खजाना में या ऐसे प्राधिकृत बैंक और शीर्ष लेखा “0040—टैक्स ऑन सेल्ज आदि” के अधीन संदत्त कर का बीजक।

मास का नाम संदाय की तारीख

जिला..... वृत्त.....

अवधि के लिए:			/	2	0			से			/			/	2	0		
--------------	--	--	---	---	---	--	--	----	--	--	---	--	--	---	---	---	--	--

संदाय की अंतिम तारीख तक:				/			/	2										
--------------------------	--	--	--	---	--	--	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

1. जिसके द्वारा प्रस्तुत किया गया:																		
------------------------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

2. व्यौहारी/व्यक्ति का नाम																		
----------------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

3. पूरा पता :																		
---------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

टिन																		
-----	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

“101”- रिसीटस अन्डर सेन्ट्रल सेल्ज टैक्स एक्ट:

जिसके द्वारा निविदत्त की गई	के लेखे में संदाय	रूपयों में रकम
	01- कर संग्रहण	
	02- अन्य प्राप्तियाँ	
	03- अतिरिक्त	
	मॉग/ब्याज	
	04 - शास्ति/प्रशमन	
	06 - ब्याज	
	90 - प्रतिदाय कटौती	
	योग (अंकों में)	
	योग (शब्दों में)	

“ 102” रिसीटस अन्डर स्टेट सेल्ज टैक्स एक्ट:

01 - कर संग्रहण	
04 - अन्य प्राप्तियाँ	
05 - अतिरिक्त मॉग /ब्याज	
90 - प्रतिदाय कटौती	
योग (अंको में)	
योग (शब्दों में)	

“III” रिसीट्स अन्डर स्टेट वेल्यू एटिड टैक्स एक्ट:

जिसके द्वारा निविदत्त की गई	कर पहचान संख्या (टिन) सहित नाम और पता	के लेखे में संदाय	रूपयों में रकम
		01 – मूल्य परिवर्धित कर संग्रहण	
		02 – अनुज्ञप्ति और रजिस्ट्रीकरण फीस	
		03 – अन्य प्राप्तियाँ	
		04 – अतिरिक्त मॉग/ब्याज	
		05 – क्रय कर	
		06 – प्रशमन फीस	
		07 – मू0प0क0 प्ररूपों 26-अ पर विक्रय	
		08 – शास्ति/प्रशमन	
		09 – प्रवेश कर	
		10 – धारा 17 के अधीन की गई कर की कटौती	
		90 – मूल्य परिवर्धित कर के अधीन प्रतिदाय कटौती	
		योग (अंको में)	
		योग (शब्दों में)	

“800” अदर रिसीट्स :

03-अन्य प्राप्तियाँ	रू0
---------------------	-----

प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर दी गई समस्त विशिष्टियाँ सही हैं।

(निक्षेपकारों/जमाकर्ताओं के हस्ताक्षर)

निर्धारण प्राधिकारी

(मुद्रा सहित)

		/			/	2	0		
--	--	---	--	--	---	---	---	--	--

(खजाना के उपयोग के लिए)

.....रुपए की रकम प्राप्त हुई और खाता “0040”— विक्री, व्यापार आदि पर कर के अधीन जमा हुई।

खजाना अधिकारी/उप-खजाना
अधिकारी/या ऐसे
प्राधिकृत बैंक का मैनेजर(प्रबन्धक)

(खजाना की मुद्रा मुहर)

पाद टिप्पण:

- “मूल” : खजाना अधिकारी द्वारा सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आबकारी एवं कराधान अधिकारी को भेजा जाए।
- “द्विप्रतिक”
(दूसरी प्रति) : जिला में रखी जाए।
- “त्रिप्रतिक”
(तीसरी प्रति) : संदाय करने वाले व्यक्ति को वापिस की जाए।
- “चौथी प्रति” : संदाय करने वाले व्यक्ति को वापिस लौटाई जाए।

प्ररूप वैट— II —अ
(नियम 37—अ देखें)
ई—चालान
(कर/माँग/अन्य राशि के निक्षेप हेतु)

हिमाचल प्रदेश सरकार
आबकारी एवं कराधान विभाग

(सेन्ट्रल सेल्ज टैक्स (हिमाचल प्रदेश) रूलज, 1970 के नियम 7 (2) के साथ पठित हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 का नियम 3(2), 33(1) और 37 (2) देखें)

जिला	
वृत्त	
..... से कर की अवधि	
पूरा पता:	
“101” रिसीट्स अन्डर सेन्ट्रल सेल्ज टैक्स एक्ट:	
01 — कर संग्रहण	
02 — अन्य प्राप्तियाँ	
03 — अतिरिक्त मांग/ब्याज	
04 — शास्ति/प्रशमन	
06 — ब्याज	
90 — प्रतिदाय कटौती	
अंको में योग	
शब्दों में योग	
“102” रसीट्स अन्डर स्टेट सेल्ज टैक्स एक्ट:	
..... के मद्दे संदाय	रकम (रुपयों में)
01 — कर संग्रहण	
04 — अन्य प्राप्तियाँ	
05 — अतिरिक्त मांग/ब्याज	
90 — प्रतिदाय कटौती	
अंकों में योग	
शब्दों में योग	
“111” रसीट्स अन्डर स्टेट वेल्यू एडिड टैक्स एक्ट:	
..... के मद्दे संदाय	रुपयों में रकम
01 — मूल्य परिवर्धित कर संग्रहण	
02 — अनुज्ञप्ति और रजिस्ट्रीकरण फीस	
03 — अन्य प्राप्तियाँ	

04 — अतिरिक्त मॉग/ब्याज	
05 — क्रय कर	
06 — प्रशमन फीस	
07 — मू०प०क० 36—अ प्ररूप का विक्रय	
08 — शास्ति/प्रशमन	
09 — प्रवेश कर	
10 — धारा 17 के अधीन काटा गया कर	
90 मू०प०क० के अधीन प्रतिदाय कटौती	
अंकों में योग	
शब्दों में योग	
“800” अदर रसीट्स	
.... के मद्दे संदाय	रूपयों में रकम
03 — अन्य प्राप्तियां	
अंकों में योग:	
शब्दों में योग:	
चालान पहचान संख्या (सिन)	बीएसआर कोड तारीख चालान संख्या _____

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त दी गई समस्त विशिष्टियां सही हैं।

इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से आनलाइन संदाय (बैंक का नाम) संग्रहण करने वाली शाखा का नाम
--

प्ररूप वेट 15—ऐ
खनियम 50(4) देखें,

हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 16 (2) के अधीन एक मुश्त कर का संदाय करने वाले फुटकर विक्रेताओं द्वारा दी जानी वाली विवरणी का प्ररूप

..... को समाप्त हुई तिमाही के लिए विवरणी की मूल/द्विप्रतिक

प्रति:

दिन मास वर्ष

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

1. व्यौहारी की पहचान

कारबार का नाम और अभिनाम	मैसर्ज
पता	संपर्क नम्बर
टिन	

2 (क) स्थानीय क्रयों के व्यौरे

क्रम संख्या	विक्रेता का नाम	विक्रेता का पता	टिन	कर अवधि के दौरान क्रयों का मूल्य	कर की दर	माल का विवरण	क्रयों पर संदत्त मूल्य परिवर्धित कर
कुल							

2 (ख) अंतरराज्यिक क्रय(यदि कोई हैं) के व्यौरे

क्रम संख्या	विक्रेता का नाम	विक्रेता का पता	टिन	कर अवधि के दौरान क्रयों का मूल्य	कर की दर	माल का विवरण	क्रयों पर संदत्त किया गया कर
कुल							

3 (क) विवरणी अवधि के दौरान कराधेय माल की आवर्त पर संदेय एक मुश्त कर

राज्यों के भीतर रजिस्ट्रीकृत व्यौहारियों से क्रय किए गए कराधेय माल का विक्रय मूल्य	कर की उपधाराणात्मक दर	संदेय कर (रूपयों में)
(क)	(ख)	(ग)

3 (ख) विवरणी अवधि के दौरान अंतरराज्यिक व्यापार के क्रम के दौरान क्रय किए गए कराधेय माल की आवर्त पर संदेय कर

अंतरराज्यिक व्यापार या वाणिज्य के क्रम में क्रय किए गए तथा राज्य में विक्रय किए गए कराधेय माल का विक्रय मूल्य (रूपयों में)	कर की दर	माल का विवरण	विक्रेय पर संगृहीत कर जो राज्य सरकार को संदत्त किया जाना है
(क)	(ख)	(ग)	(घ)

4. जमा किए गए (निक्षिप्त) कर के व्यौरे (3क. 3ख)

क्रम संख्या	खजाना का नाम जहां कर जमा (निक्षिप्त) किया गया है या बैंक जिसमें मांगदेय ड्राफ्ट/संदाय आदेश आहरित/आर ए ओ	खजाना रसीद (टी आर) डी डी/पीओ			
		लिखत की किस्म	संख्या	तारीख	रकम
	पिछली विवरणी से अग्रणीत अधिक संदत्त कर				

(वर्ष के दौरान कराधेय आवर्त पच्चीस लाख रूपए से अधिक होने की दशा में ही व्यौहारी द्वारा भरी जानी है)

5. 31 मार्च को बंद स्टॉक

कर मुक्त	
1%	
4%	
5%	
9%	
13.75%	।"।

13. नए प्ररूप एलएस-2 और एलपी-2 का अन्तःस्थापन.—उक्त नियमों से संलग्न प्ररूप एलपी-1 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप एलएस-2 और एलपी-2 अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थातः—

“प्ररूप एलएस-2
[नियम 41 देखें]

विवरणी के साथ प्रस्तुत की जाने वाली विक्रय वापसी की सूचियां

..... समाप्त हुए मास/तिमाही के लिए:

दिन मास वर्ष

--	--	--	--	--	--	--	--

1.	कारबार की विशिष्टियां												
1.1	आवेदक (मैसर्ज) का पूरा नाम												
1.2	आवेदक का पता												
				पिन									
				टेलीफोन						फैक्स			
1.3	टिन												

1.	कारबार की विशिष्टियां									
1.1	आवेदक (मैसर्ज) का पूरा नाम									
1.2	आवेदक का पता									
1.3	टिन	टेलीफोन						फैक्स		

2.	विवरणी भरने वाले व्यौहारी द्वारा बीजक बार क्रय वापसी के ब्यौरे				
क्रम संख्या	विक्रेता का नाम	विक्रेता का पता	टिन	कर अवधि के दौरान वापस किए गए क्रयों का मूल्य	कर अवधि के दौरान मू0प0क0
योग					
घोषणा: मैं सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ कि मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार इस प्ररूप में दी गई सूचना सत्य और सही है।					
स्थान:					
तारीख:					
(हस्ताक्षर)					
हैसियत: जो लागू हो उस पर सही(✓) का निशान लगाएं (कर्ता, स्वत्वधारी, भागीदार, निदेशक, प्रधान, सचिव, प्रबन्धक, प्राधिकृत अधिकारी)।"।					

टिप्पण: वित्तीय वर्ष 2014-15 तक की विवरणियां पुराने प्ररूप मू0प0क0-XV पर प्ररूप एलएस-I और एलपी-I के साथ-साथ दाखिल की जाती रहेंगी।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/—
प्रधान सचिव (आबकारी एवं कराधान)।

[Authoritative English text of Government Notification No.EXN-F(10)-2/2015-Loose dated 03/06/ 2015 as required under clause(3) of articles 348 of the Constitution of India].

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 3rd June, 2015

No.EXN-F(10)-2/2015-Loose.—In exercise of the powers conferred under section 63 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Act,2005 (Act No.12 of 2005) the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules,2005, notified vide this Department notification No.EXN-F(5)-4/2005 dated 2nd December,2005 and published in the Rajpatra, Himachal Pradesh(Extra ordinary) dated 7th December,2005, namely:--

1. Short title and Commencement.— (1) These rules may be called the Himachal Pradesh Value Added Tax (3rd Amendment) Rules, 2015.

(2) They shall come into force from the date of publication in Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of rule 2.—In rule 2 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005, hereinafter referred to as the said rules, for clause(d) and Explanation, the following clause shall be substituted, namely:--

"(d) "appropriate Government Treasury" means a Treasury or Cyber Treasury or Sub-Treasury or such branch of the Bank authorized to conduct Government transactions in the State as notified from time to time by the State Government;"

3. Amendment of rule 36.—In rule 36 of the said rules, in sub-rule(2), for clause(ii), the following clause shall be substituted, namely:--

"(ii) tax under sub-section(4) of section 16 of the Act shall, before filing the return, pay such lumpsum tax and tax within 30 days from the expiry of each month or quarter of a year, as the case may be."

4. Amendment of rule 38.— In rule 38 of the said rules, in sub-rules(3),--

(a) for the words, figures and signs "deduct an amount equal to 2 percentum in respect of 'A' and 'B' class contractors and an amount equal to 3 percentum in respect of 'C' and 'D' class contractors having annual turnover up to Rs. 30 lac of such sum towards the tax under section 17 of the Act", the words and figures "deduct an amount equal to 3 percentum of such sum towards the tax under section 17 of the Act from all works contractors" shall be substituted; and

(b) for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:--

"Provided that in respect of C & D class contractors having annual turnover upto Rs.30 Lacs, no return shall be required to be filed under section 16 and also no assessment shall be done under section 21 and the tax deducted @ 3 percentum shall be deemed to be full and final payment."

5. Amendment of rule 41.—For rule 41 of the said rules the following rule shall be substituted, namely:--

"41. List of sales and purchases,- Every registered dealer shall submit alongwith return in Form VAT-XV the following :--

(i) sales and purchases in Form LS-1 and LP-I; and

(ii) sales returned and purchases returned in LS-II and LPII."

6. Amendment of rule 45.—In rule 45 of the said rules, for sub-rule(1), the following subrule shall be substituted, namely:--

"(1) A registered dealer(other than a dealer running a restaurant holding bar license for retail sale of liquor under the Himachal Pradesh Liquor License Rules,1986 and a dealer dealing in medicines) shall have the option to pay presumptive lump sum tax by way of composition under section 7 or under sub-section(2) of section 16, and shall pay tax in the manner prescribed in this chapter."

7. Amendment of rule 50.—For rule 50 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely:--

"50. Lumpsum Tax Scheme in respect of other dealers.—

- (1) Any dealer specified in this rule shall, under section 7 or under sub-section(2) of section 16 and subject to the provisions of rule 45 and this rule, pay the lump sum tax in the manner prescribed below.
- (2) A retailer for the purpose of this rule shall be a dealer registered under the Act who sells goods exclusively within the State after purchasing them from dealers or other retailers in the State or after purchasing them in the course of inter-State trade or commerce from outside the State.
- (3) Subject to other provisions of this rule, a retailer whose turnover during the last year does not exceed twenty five lakh rupees, may, at anytime, opt for payment of lumpsum tax calculated in accordance with the provisions of subrule(4), by making an application in Form L-1 given below and a retailer who makes an application for registration under the Act may also exercise such option by making an application in Form L-2 given below simultaneously. However, the existing retail sale dealers who are already paying lumpsum tax by way of composition shall continue to do so, provided their turnover does not exceed Twenty Five Lakhs rupees and therefore such dealers shall not be required to file fresh application/option in this regard.

Application Form L-1

Form of application under rule 50 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005.

(For a dealer who is already registered under the Act)

To

The Assessing Authority

District.....

Option to pay lumpsum tax by way of composition under section 7 and sub-section(2) of section 16 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005.

I/We.....(name, aged.....S/O/D/o/W/o Sh./Ms.....R/o village/Town..... Tehsil.....District..... proprietor/partner of M/s.....holding TIN.....

In terms of the provisions of rule 50 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005, do hereby opt for lumpsum tax payment by way of composition under section 7 and under sub-section(2) of section 16 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005.

2. The business concern is a retailer and deals in mainly following commodities:--

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)
- (vi)

3. The turnover last year was about Rs. Lakhs.

Place:..... Signature of the person making the application

Date:..... Status.....

ACKNOWLEDGEMENT

Received option from M/s.....

(mention complete name and address with TIN if any)

Place:..... Signature of Assessing Authority
 Date:..... Name in Capitals
 Designation

Application Form L-2

Form of application under rule 50 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005.

(For a dealer who is simultaneously making application for registration under the Act)

To

The Assessing Authority
 District.....

I/We.....(name), aged.....S/o/D/o/W/o Sh./Ms..... proprietor/ partner
 of.....R/o Village/Town.....Tehsil.....district.....am/ are applying for registration
 under the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005 and opt for payment of lumpsum tax in lieu of tax
 from the commencement of the business (date of becoming liable to pay tax) in terms of rule 50 of the
 Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005.

2. The gross turnover of the business is likely to be Rs.....in a full year of operation.

Place:..... Signautre of the person making the application
 Date:.....
 Status:.....

ACKNOWLEDGEMENT

Received option from M/s.....
 (mention complete name and address with TIN if any)

Place:..... Signature of Assessing Authority
 Date:..... Name in Capitals Designation

3. The application made under sub-rule(2) shall, subject to the correctness of the information
 furnished therein, shall be allowed from the date of application.

4. The retailer whose application has been allowed (hereinafter referred to as the 'lumpsum
 retailer') under the foregoing sub-rule shall furnish returns in Form VAT-XVH and shall pay
 lumpsum tax at quarterly intervals within 30 days of the close of the quarter. The lumpsum tax
 for a quarter shall be computed at the rate of 1% of the taxable turnover during the quarter.
 However, in case of taxable goods purchased in the course of inter-State trade or commerce
 from outside the State during the quarter the tax shall have to be paid on actual i.e. as per the
 tax applicable on the sale of such goods in the State:

Provided that the sale value of the goods for the purpose of computing lump sum tax shall be
 the invoiced price including all taxes and charges shown in the invoice.

5. The retailer paying lumpsum tax shall keep regular account of purchases made by him,
 separately in respect of exempted and taxable goods. He shall not be required to keep account
 of sales but, if he makes a sale of goods price whereof exceeds ten thousand rupees or in case
 the purchaser requests for the goods to be invoiced, he shall issue a retail sale invoice to the
 purchaser and keep record of all such invoices.

6. The retailer paying lumpsum tax and whose turnover in a year exceeds twenty five lakh rupees
 shall continue to pay lumpsum tax during that year and composition of tax in his case shall

cease to have effect only from 1st April next. Such retailer shall be entitled to claim the credit of input tax on the stock of goods in trade held by him at the close of 31st March subject to furnishing information relating to such goods held in stock with his return for the quarter ending 31st March.

7. The retailer paying lumpsum tax shall be authorized to make purchase of goods on declarations in Form C from outside the State but he shall not be authorized to make use of declaration in Form F. He shall be required to make use of declaration in Form VAT-XXVI-A as per rule 61 and rule 61-A of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005 for importing goods in the State.

8. Amendment of rule 64.—In rule 64 of the said rules, in sub-rule(2), for clause(i) and (ii) except the following proviso shall be substituted, namely:--

- "(i) correct, if its versions conforms to the balance sheet/profit and loss account/ trading account filed by the dealer alongwith annual return and this version can not be impeached by any adverse information, to the contrary, available on record till 20th March of the following financial year; and
- (ii) complete, in material particulars, if it contains the entire information required to be furnished therein, is correct arithmetically and is accompanied by the statutory forms as prescribed under the Central Sales Tax Act, 1956 or the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005 as applicable or prescribed lists, documents and proof of payments of the full amount of tax due according to the returns and is duly signed by the dealer: .".

9. Amendment of rule 65.—In rule 65 of the said rules, for sub-rule(1), except the proviso, the following sub-rule shall be substituted, namely:

"(1) Save the cases selected for scrutiny under sub-rule(1) of rule 66, all the cases shall be deemed to have been assessed to tax under sub-rule(1) of rule 64 and in respect of such cases, deemed assessment order after due verification shall be generated through the IT system and sent by e-mail by the Assessing Authority by the 20th of March of the following financial year and the same shall be deemed to be a copy of the assessment order. List of all such dealers shall be published on the official website of the Department by 30th March of the following financial year:.....

- (2) Deemed assessment order shall be as under:--

Deemed Assessment Order

"As per annual return bearing acknowledgement No.....dated.....for the assessment yearyour case stands assessed under section 21(1) of the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005. However, if your case is selected for scrutiny/ assessment at any later stage, you will be informed accordingly."

10. Amendment of rule 66.—In rule 66 of the said rules,--

- (a) after clause(iii) the following clause shall be inserted, namely:--

"(iii-a) Dealers engaged in execution of works contracts and claiming refund, except 'C' & 'D' class contractors;"; and

- (b) for the existing clause(ix), the following clause shall be substituted, namely:--

"(ix) Cases based on definite intelligence about evasion of tax and mismatches reflecting tax evasion, thrown up by the IT software being used by the Department;".

11. Insertion of new rule 73-A.—After rule 73 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:--

"73-A. Notice for locking TIN:- For the purpose of section 50-A, notice in Form-XLV shall be issued immediately after locking of the Tax Identification Number and suspension of e-services."

FORM-XLV

[See rule 73-A]

**NOTICE FOR LOCKING OF TAX IDENTIFICATION
NUMBER AND SUSPENSION OF E-SERVICES**

Name of person:

Tax Identification Number:

Address:

It has been noticed that you have committed the following acts/offence(s) as per records available in this office: [Please tick mark or fill up whichever is applicable in the appropriate box]

Failed to file return for the tax period _____;

Knowingly furnished incomplete or incorrect information in the return furnished for the tax period or the periods w.e.f. _____ to _____;

Failed to pay tax, interest and penalty due under the Act for the period(s) w.e.f. _____ to _____;

Filed to file the annual return for the year _____;

Failed to file returns corresponding to the transactions conducted by you as per the information available on record;

Not conducting business at the declared place at _____;

Deliberately avoiding service of notice.

Have failed to comply with the requirements of the notice issued on _____ (specify).

Accordingly, your actions as referred to hereinbefore are prejudicial to the interest of revenue.

You are hereby informed that your Tax Identification Number and e-services have been locked.

Please note that you are not entitled to move goods for inter-State transactions and or avail the e-services available till your compliance is received. However, you are given an opportunity to produce such evidence, records or documents relying on which, you intend to rebut the above allegations. You are therefore directed to appear in person or through your authorized representative in the office of the undersigned on _____ at _____ AM/PM and produce such evidence, record or documents. If you fail to appear on the date and the time fixed and produce the relevant evidence, records or documents, the Tax Identification Number and eservices shall not be re-opened till compliance is made.

Place:

Designated Officer

Date:

Office Seal:

12. Substitution of Forms VAT-II, VAT-II-A and VAT-XV-H.—For Forms VAT-II, VAT-II-A and VAT-XV-H appended to the said rules, the following Forms shall be substituted, namely:--

"FORM VAT-II

[See rules 3(2), 33(1) and 37(2) under H.P. Value Added Tax Rules, 2005 read with rule 7(2) of Central Sales Tax (Himachal Pradesh) Rules, 1970]

CHALLAN

Original	Triplicate
Duplicate	Quadruplicate

Invoice of the Tax paid intoTreasury/Sub-Treasury or such authorized Bank and credited under the Head of Account **"0040-Tax on Sales, Trade etc."**

Name of Month..... Date of payment.....

District:								Circle		
-----------	--	--	--	--	--	--	--	--------	--	--

Period From			/			/	2	0		To			/			/	2	0		
-------------	--	--	---	--	--	---	---	---	--	----	--	--	---	--	--	---	---	---	--	--

Last date of payment			/			/	2													
----------------------	--	--	---	--	--	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

1. By whom tendered																				
---------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

2. Name of the dealer/ person																				
----------------------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

3. Complete address:																				
----------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

TIN																				
-----	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

"101"- RECEIPTS UNDER CENTRAL SALES TAX ACT:

By whom tendered	Payment on account of	Amount in Rs.
	01-TAX COLLECTION	
	02- OTHER RECEIPTS	
	03-ADDITIONAL DEMAND/INTEREST	
	04-PENALTY/ COMPOSITION	
	06-INTEREST	
	90-DEDUCT REFUND	
	TOTAL IN FIGURES	
	TOTAL IN WORDS	

"102" RECEIPTS UNDER STATE SALES TAX ACT:

01- TAX COLLECTION	
04- OTHER RECEIPTS	
05-ADDITIONAL DEMAND/ INTERST	
90- DEDUCT REFUND	
TOTAL IN FIGURES	
TOTAL IN WORDS	

"111" RECEIPTS FROM STATE VALUE ADDED TAX ACT:

By whom tendered	Name and address with TIN No.	Payment on account of	Amount (in Rs.)
------------------	-------------------------------	-----------------------	-----------------

	01-VALUE ADDED TAX COLLECTION	
	02- LICENSE AND REGISTRATION FEE	
	03-OTHER RECEIPTS	
	04-ADDITIONAL DEMAND	
	05-PURCHASE TAX	
	06-COMPOSITION FEE	
	07-SALE OF VAT XXVI-A FORMS	
	08-PENALTY/COMPOSITION	
	09-ENTRY TAX	
	10-TAX DEDUCTED U/S 17	
	90-DEDUCT REFUNDS UNDER VAT	
	TOTAL IN FIGURES:	
	TOTAL IN WORDS:	

"800"-OTHER RECEIPTS:

03-OTHER RECEIPTS	Rs.
-------------------	-----

Certified that all the particulars given above are correct.

(Signature of depositors)

Assessing Authority
(with Seal)

		/			/	2	0		
--	--	---	--	--	---	---	---	--	--

(FOR USE IN TREASURY)

Received the sum of Rs.....and credit under account "0040"-tax on sales, trade etc.

Treasury Officer/ Sub-Treasury Officer/
or manager of such authorized Bank.

Stamp of Treasury

Footnote:

- "Original" : To be sent by the Treasury Officer to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation officer, Incharge of the District.
 "Duplicate" : To be retained in the District.
 "Triplicate" : To be returned to the person making payment.
 "Quadruplicate" : To be returned to the person making payment.

FORM VAT-II-A

(See rule 37-A)

E-Challan

(For deposit of tax/demand/other sum)

**Government of Himachal Pradesh
Excise and Taxation Department**

[See rules 3(2), 33(1) and 37(2) of H.P. VAT Rules,2005 read with rule 7(2) of CST(H.P.) Rules,1970]

District
Circle
Tax peirod from.....to.....
Complete Address:

"101" RECEIPTS UNDER CENTRAL SALES TAX ACT:	
Payment on account of	Amount(in Rs.)
01-Tax Collection	
02-Other Receipts	
03-Additional Demand/Interest	
04-Penalty/Composition	
06-Interest	
90-Deduct Refund	
TOTAL IN FIGURES	
TOTAL IN WORDS	
"102" RECEIPTS UNDER STATE SALES TAX ACT:	
Payment on account of	Amount (In Rs.)
01-Tax Collection	
04-Other Receipts	
05-Additional Demand/Interest	
90-Deduct-Refund	
TOTAL IN FIGURES	
TOTAL IN WORDS	
"111" RECEIPTS FROM STATE VALUE ADDED TAX ACT:	
Payment on account of	Amount (In Rs.)
01-Value Added Tax Collection	
02-License and Registration Fee	
03-Other Receipts	
04-Additional Demand/Interest	
05-Purchase Tax	
06-Composition Fee	
07-Sale of VAT XXVI-A Forms	
08-Penalty/Composition	
09-Entry Tax	
10-Tax Deducted U/s 17	
90-Deduct Refunds under VAT	
TOTAL IN FIGURES:	
TOAL IN WORDS:	
"800"- OTHER RECEIPTS:	
Payment on account of	Amount (In Rs.)
03-OTHER RECEIPTS	
TOTAL IN FIGURES:	
TOTAL IN WORDS:	
Challan Identification Number(CIN)	BSR CODE Date Challan _____

Certified that all the particulars given above are correct.

<p>Online Payment Through Internet Banking «Bank Name» »Collecting Branch Name».</p>
--

FORM VAT-XV-H**[See rule 50(4)]**

Form of return to be furnished by retailer paying the lumpsum tax under section 16(2) of the imachal Pradesh Value Added Tax Act,2005.

Original/Duplicate copy of return for the Quarter ended on :

D D M M Y Y Y Y

--	--	--	--	--	--	--	--

1. Dealer's identity

Name and style of business	M/s		
Address	Contact No.		
TIN			

2 (a). Details of local purchases

Sr. No.	Seller's Name	Address of the seller	TIN	Values of purchases during tax period	Rate of tax	Description of Goods	VAT paid on purchases
Total							

2(b). Details of inter-State purchases(if any)

Sr. No.	Seller's Name	Address of the seller	TIN	Values of purchases during tax period	Rate of tax	Description of Goods	VAT paid on purchases
Total							

3(a). Lumpsum Tax payable on turnover of taxable goods during the return period

Sale value of taxable goods purchased from registered dealers within the State (in Rs.)	Presumptive Rate of Tax	Tax Payable (in Rs.)
(a)	(b)	(c)

3(b). Tax payable on turnover of taxable goods purchased during the course of inter-state trade during the return period

Sale Value of taxable goods purchased in the course of interstate trade or commerce and sold in the State(in Rs.)	Rate of tax	Description of Goods	Tax collected on sales which is to be paid to the State Government.
(a)	(b)	(c)	(d)

4. Details of tax deposited(3a+3b)

Sr. No.	Name of treasury where tax deposited or Bank on which DD/ Pay order drawn/RAO	Treasury receipt(TR)/DD/PO			
		Type of Instrument	No.	Date	Amount
	Excess paid brought forward from last return				
	Total				

(To be filled by dealers only in case taxable turnover during the year exceeds Rs.25 Lacs)

5. Closing Stock as on 31st March

Tax free	
1%	
4%	
5%	
9%	
13.75%	."

13. Insertion of new Forms LS-II and LP-II.—After Form LP-I appended to the said rules, the following Forms LS-II and LP-II shall be inserted, namely:--

"FORM LS-II
(See rule 41)

Lists of sales returned to be submitted with return

FOR THE MONTH/QUARTER ENDED ON:

DD - MM - YYYY

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

1.	Particulars of Business												
1.1	Full Name of Applicant (M/s)												
1.2	Address of Applicant												
		PIN											
		Tel							Fax				
1.3	टिन												

2.		Invoice-wise details of Sales returned by the dealer filing the return				
Sr. No.	Customer's Name	Address of the customer	TIN	Value of sales returned during tax period	VAT during tax period	

Date:

[Signature]

Status: Tick(✓) applicable [Karta, proprietor, partner, director, president, secretary, manager, authorised officer] .".

Note: The returns upto the financial year 2014-15 shall continue to be filed on old Form VAT-XV alongwith forms LS-I and LP-I

By order,
Sd/-
Principal Secretary(E&T) .

ब अदालत श्री अनिल भारद्वाज, सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

श्रीमती पुन्नी देवी पत्नी स्व० श्री विजय राम, निवासी गांव व डाकघर बनीखेत, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा (हि० प्र०) प्रार्थिया ।

बनाम

आम जनता

प्रत्यार्थीगण ।

प्रार्थना—पत्र बराए नाम दुरुस्ती बारा ।

उपरोक्त प्रार्थिया ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना—पत्र, ब्यान—हल्फी बमय अन्य कागजात इस आशय से गुजारा है कि उसके पति का नाम विजय राम है, जोकि उसके आधार कार्ड व पंचायत रिकार्ड में सही दर्ज है, लेकिन राजस्व विभाग के महाल बनीखेत ज़रेई, पटवार वृत्त बनीखेत में विनय राम दर्ज है जो गलत है, जिसकी दुरुस्ती की जाये ।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण जनता को बजरिया इश्तहार राजपत्र हि० प्र० सूचित किया जाता है कि प्रार्थिया के पति के नाम दुरुस्ती बारे यदि किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन अदालत अधोहस्ताक्षरी दिनांक 30-06-2015 को हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा करके नाम दुरुस्ती के आदेश दे दिए जाएंगे ।

आज दिनांक 27-05-2015 को मेरे हस्ताक्षर व अदालत मोहर से जारी हुआ ।

मोहर ।

अनिल भारद्वाज,
सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग,
डलहौजी, जिला चम्बा (हि० प्र०) ।

**In the Court of Dr. Jitender Kanwar, HAS, Sub-Divisional Magistrate Bharmour,
District Chamba (H.P.)**

Shri Sunny Kumar s/o Shri Vikram Singh, Village Mando, P.O. Seriko, Tehsil Bharmour,
District Chamba, Himachal Pradesh . . Applicant.

Versus

General Public

Proclamation under order 5 Rule 20 C.P.C., under section 13(3) of the Births and Deaths Registration Act, 1969.

Whereas, Shri Sunny Kumar s/o Shri Vikram Singh, Village Mando, P.O. Seriko, Tehsil Bharmour, District Chamba, Himachal Pradesh has filed an application along with an affidavit regarding the registration of his date of Birth *i.e.* 13-03-1994 for entry in the record of concerned Gram Panchayat Chobhia, Tehsil Bharmour, District Chamba, H.P., thereof.

Hence, this proclamation is issued to the General Public, that if they have any objection/claim regarding the registration of his date of birth in the concerned Gram Panchayat Chobhia *i.e.* 13-03-1994. They may file their claims/objections on or before 27-6-2015 in this court failing which necessary orders will be passed to the concerned Gram Panchayat Chobhia for registration.

Given today under my signature and seal of the court.

Seal.

DR. JITENDER KANWAR, HAS,
*Sub-Divisional Magistrate Bharmour,
District Chamba (H.P.).*

**In the Court of Dr. Jitender Kanwar, HAS, Sub Divisional Magistrate Bharmour,
District Chamba (H.P.)**

Shri Ravinder Kumar s/o Shri Laat Ram, Village Mando, P.O. Seriko, Tehsil Bharmour,
District Chamba, Himachal Pradesh . . *Applicant.*

Versus

General Public

Proclamation under order 5 Rule 20 C.P.C., under section 13(3) of the Births and Deaths Registration Act, 1969.

Whereas, Shri Ravinder Kumar s/o Shri Laat Ram, Village Mando, P.O. Seriko, Tehsil Bharmour, District Chamba, Himachal Pradesh has filed an application along with an affidavit regarding the registration of his date of Birth *i.e.* 21-07-1989 for entry in the record of concerned Gram Panchayat Chobhia, Tehsil Bharmour, District Chamba, H.P., thereof.

Hence, this proclamation is issued to the General Public, that if they have any objection/claim regarding the registration of his date of birth in the concerned Gram Panchayat Chobhia *i.e.* 21-07-1989. They may file their claims/objections on or before 27-07-2015 in this court failing which necessary orders will be passed to the concerned Gram Panchayat Chobhia for registration.

Given today under my signature and seal of the court.

Seal.

DR. JITENDER KANWAR, HAS,
*Sub Divisional Magistrate Bharmour,
District Chamba (H.P.).*

**In the Court of Dr. Jitender Kanwar, HAS, Sub-Divisional Magistrate Bharmour,
District Chamba (H.P.)**

Shri Bhagmal s/o Shri Dhanpat, resident of VPO Chobhia, Tehsil Bharmour, District Chamba, Himachal Pradesh . . Applicant.

Versus

General Public

Proclamation under order 5 Rule 20 C.P.C., under section 13(3) of the Births and Deaths Registration Act, 1969.

Whereas, Shri Bhagmal s/o Shri Dhanpat, resident of VPO Chobhia, Tehsil Bharmour, District Chamba, Himachal Pradesh has filed an application along with an affidavit regarding the registration of date of Birth of his son namely Yashpal *i.e.* 18-12-1993 for entry in the record of concerned Gram Panchayat Chobhia, Tehsil Bharmour, District Chamba, H.P., thereof.

Hence, this proclamation is issued to the General Public, that if they have any objection/claim regarding the registration of date of birth of his son namely Yashpal for entry in the concerned Gram Panchayat Chobhia *i.e.* 18-12-1993. They may file their claims/objections on or before 27-06-2015 in this court failing which necessary orders will be passed to the concerned Gram Panchayat Chobhia for registration.

Given today under my signature and seal of the court.

Seal.

DR. JITENDER KANWAR, HAS,
Sub-Divisional Magistrate Bharmour,
District Chamba (H.P.).

**In the Court of Shri Hemis Negi, H.A.S., Sub-Divisional Magistrate, Shimla (Urban)
District Shimla, Himachal Pradesh**

Shri Pawan Mandal s/o Shri Sumrit Mandal, r/o Five Bench Long View Apartments, Jakhu Shimla, Tehsil and District Shimla, Himachal Pradesh . . Applicant.

Versus

General Public

. . Respondent.

Application under section 13 (3) of Birth and Death Registration Act, 1969.

Whereas Shri Pawan Mandal s/o Shri Sumrit Mandal, r/o Five Bench Long View Apartments, Jakhu Shimla, Tehsil and District Shimla, Himachal Pradesh has preferred an application to the undersigned for the registration of the name & date of birth of his son namely Vikas Kumar, date of birth 18-10-2001 in the record of Municipal Corporation, Shimla, District Shimla (H.P.).

Therefore by this proclamation the general public is hereby informed that any person having any objection for the entry as to date of birth mentioned above, may submit his/her objection in

writing in this court within one month from the publication of this proclamation failing which no objection will be entertained after expiry of date and will be decided accordingly.

Given under my hand and seal of the court on this 1st day of June, 2015.

Seal.

HEMIS NEGI,
Sub-Divisional Magistrate,
Shimla (Urban), District Shimla, Himachal Pradesh.

**In the Court of Shri Hemis Negi, H.A.S., Sub-Divisional Magistrate, Shimla (Urban)
District Shimla, Himachal Pradesh**

Shri Pawan Mandal s/o Shri Sumrit Mandal, r/o Five Bench Long View Apartments, Jakhu Shimla, Tehsil and District Shimla, Himachal Pradesh . . Applicant.

Versus

General Public

. . Respondent.

Application under section 13 (3) of Birth and Death Registration Act, 1969.

Whereas Shri Pawan Mandal s/o Shri Sumrit Mandal, r/o Five Bench Long View Apartments, Jakhu Shimla, Tehsil and District Shimla, Himachal Pradesh has preferred an application to the undersigned for the registration of the name & date of birth of his son namely Ankit Kumar, date of birth 14-08-2002 in the record of Municipal Corporation, Shimla, District Shimla (H.P.).

Therefore by this proclamation the general public is hereby informed that any person having any objection for the entry as to date of birth mentioned above, may submit his/her objection in writing in this court within one month from the publication of this proclamation failing which no objection will be entertained after expiry of date and will be decided accordingly.

Given under my hand and seal of the court on this 1st day of June, 2015.

Seal.

HEMIS NEGI,
Sub-Divisional Magistrate,
Shimla (Urban), District Shimla, Himachal Pradesh.

ब अदालत श्री ओम प्रकाश मैहता, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं नायब-तहसीलदार, देहा, जिला शिमला (हि0 प्र0)

विषय.—भू-अभिलेख में नाम की प्रविष्टि ठीक करने बारे।

यह कि टोआ राम पुत्र सवला राम, ग्राम जनाहन, पटवार वृत्त जनाहन, उप-तहसील देहा, जिला शिमला (हि0 प्र0) ने इस कार्यालय में अपनी भूमि के कागजों में नाम दुरुस्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। राजस्व अभिलेख में तोता राम पुत्र सवला राम दर्ज है जो कि गलत है।

अतः इस इश्तहार राजपत्र द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि टोआ राम पुत्र सवला राम, ग्राम जनाहन, पटवार वृत्त जनाहन, उप-तहसील देहा, जिला शिमला (हि0 प्र0) के नाम को जमीन के कागजों में दुरुस्त करने बारे यदि किसी व्यक्ति विशेष को कोई भी उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 30-06-2015

को समय प्रातः 11.00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना ऐतराज प्रस्तुत कर सकता है। दिनांक 30-06-2015 के पश्चात् कोई उजर ऐतराज पेश न होने की स्थिति में श्री टोआ राम पुत्र सवला राम, ग्राम जनाहन, पटवार वृत्त जनाहन का नाम जमीन के कागजों में दुरुस्त कर दिया जायेगा।

आज दिनांक 30-05-2015 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित / -

(ओ0 पी0 मैहता)

सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं नायब-तहसीलदार,
देहा, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री मुकेश शर्मा, सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं0 : 27/2014, 28/2014, 29/2014

तारीख दायर : 23-07-2014

1. श्री जिया लाल पुत्र स्व0 श्री चरण दास पुत्र श्री गंगा राम, निवासी गांव चुहाबाग, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला (हि0 प्र0)
2. श्री नीरज पुत्र श्री जिया लाल पुत्र श्री चरण दास, निवासी गांव चुहाबाग, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला (हि0 प्र0) वादी/प्रथम पक्ष

बनाम

1. श्री राम सिंह पुत्र श्री केशव राम, निवासी गांव चुहाबाग, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला (हि0 प्र0)
2. श्री राजेश कुमार पुत्र श्री प्यारे लाल, निवासी नागाधार, उप-तहसील ननखरी, जिला शिमला (हि0 प्र0)
3. श्री गोबिन्द सिंह पुत्र श्री सोहन लाल, निवासी गांव टिक्करी, उप-तहसील ननखरी, जिला शिमला (हि0 प्र0) प्रतिवादी

दरखास्त तकसीम जेखदारा 123 हि0 प्र0 भू0 रा0 अ0 बाबत अराजी खाता/खतौनी नं0 165/214 ता 218, किता 19, रकबा तादादी 01-78-05 है0, खाता/खतौनी नं0 165/219, खसरा नं0 41, रकबा तादादी 00-01-70 है0 व खाता/खतौनी नं0 167/220, खसरा नं0 52, रकबा तादादी 00-05-64 है0, वाका चक रचोली, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला (हि0 प्र0)

नोटिस बनाम आम जनता :

प्रार्थीगण श्री जिया लाल पुत्र स्व0 श्री चरण दास व नीरज पुत्र श्री जिया लाल, निवासी गांव चुहाबाग, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश ने अराजी खाता/खतौनी नं0 165/214 ता 218, किता 19, रकबा तादादी 01-78-05 है0, खाता/खतौनी नं0 165/219, खसरा नं0 41, रकबा तादादी 00-01-70 है0 व खाता/खतौनी नं0 167/220, खसरा नं0 52, रकबा तादादी 00-05-64 है0, वाका चक रचोली, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला (हि0 प्र0) की तकसीम दरखास्त इस अदालत में बराए हुकमन तकसीम गुजारी है, जो इस अदालत में विचाराधीन है। प्रतिवादी नं0 1 ता 3 खाता हजा में मालिक दर्ज कागजात माल है। प्रतिवादी नं0 1 ता 3 की तामील बार-बार समन होने के कारण असालतन न होने पाई जा रही है तथा इस अदालत को यकीन हो गया है कि इनकी तामील साधारण तरीके से होनी सम्भव नहीं है। अतः प्रतिवादी नं0 1 ता 3 को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 07-07-2015 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन पैरवी मुकद्दमा हेतु हाजिर अदालत आएंगे। हाजिर न आने की सूरत में यह समझा जाएगा की इस खाता की तकसीम बारा उन्हें किसी भी प्रकार का एतराज नहीं है तथा यकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 29-05-2015 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
रामपुर बुशैहर जिला शिमला (हि0 प्र0)।

**Before Shri Narayan Singh Chauhan, Executive Magistrate (Tehsildar), Kasauli,
District Solan, H.P.**

Case No. : 1/2015

Date of Institution : 28-4-2015

Date of Decision/
Pending for : 23-6-2015

Smt. Anita Devi wife of Shri Vijay Kumar resident of Village Baniya, P.O. Jubbar, Tehsil Kasauli, District Solan, H. P. *..Applicant.*

Versus

General Public

...Respondents.

Application under section 8(4) of H.P. Registration of Marriages Act, 1996.

Smt. Anita Devi wife of Shri Vijay Kumar resident of Village Baniya, P.O. Jubbar, Tehsil Kasauli, District Solan, H. P. has moved an application before the undersigned under section 8(4) of H.P. Registration of Marriages Act, 1996 along with affidavits and other documents stating therein that her marriage was solemnized at Village Baniya, P.O. Jubbar, Tehsil Kasauli, District Solan, H.P. with Vijay Kumar son of Shri Shiv Ram but their date of marriage could not be entered in the record of Gram Panchayat Chamiya, Tehsil Kasauli within stipulated period. Hence she prayed for passing necessary orders to the Registrar of Marriages-cum-Secretary, Gram Panchayat Chamiya, Tehsil Kasauli, for entering the same in the marriage records.

Therefore, by this proclamation the general public is hereby informed that any person having any objection for the registration of delayed registration of marriage of applicant and Shri Vijay Kumar may submit their objections in writing in this court on or before 23-06-2015 at 10.00 A.M. failing which no objection will be entertained after expiry of date.

Given under my hand and seal of the court on this 28th day of May, 2015.

Seal.

Sd/-
(NARAYAN SINGH CHAUHAN)
*Executive Magistrate (Tehsildar),
Kasauli, District Solan, H.P.*

**Before Shri Narayan Singh Chauhan, Executive Magistrate (Tehsildar), Kasauli,
District Solan, H.P.**

Case No. : 6/2015

Date of Institution : 11-5-2015

Date of Decision/
Pending for : 18-6-2015

Shri Parmod Kuthiala son of Late Shri B.D. Kuthiala, resident of House No. 485, Sector-15-A, Chandigarh *..Applicant.*

Versus

General Public

...Respondents.

Application under section 13(3) of Birth and Death Registration Act, 1969.

Shri Parmod Kuthiala son of Late Shri B.D. Kuthiala, resident of House No. 485, Sector-15-A, Chandigarh has moved an application before the undersigned under section 13(3) of Birth & Death Registration Act, 1969 along with affidavits and other documents stating therein that his daughter namely Ashita Sood born on 25-9-1996 at Pumposh Nursing Home, Sector-1, Parwanoo, tehsil Kasauli, District Solan H.P. but her date of birth could not be entered in the record of MC, Parwanoo, Tehsil Kasauli within stipulated period. Hence he prayed for passing necessary orders to the Registrar, Birth & Death Registration, MC Parwanoo, Tehsil Kasauli, for entering the same in the birth and death records.

Therefore, by this proclamation the general public is hereby informed that any person having any objection for the registration of delayed birth of Ashita Sood daughter of Shri Parmod Kuthiala may submit their objections in writing in this court on or before 18-06-2015 at 10.00 A.M. failing which no objection will be entertained after expiry of date.

Given under my hand and seal of the court on this 11th day of May, 2015.

Seal.

Sd/-

(NARAYAN SINGH CHAUHAN)

*Executive Magistrate (Tehsildar),**Kasauli, District Solan, H.P.*

**Before Shri Narayan Singh Chauhan, Executive Magistrate (Tehsildar), Kasauli,
District Solan, H.P.**

Case No. : 2/2015

Date of Institution : 18-5-2015

Date of Decision/

Pending for : 23-6-2015

Shri Rakesh Kumar son of Shri Lachhi Ram, resident of Village Thandu, P.O. Kot Beja, Tehsil Kasauli, District Solan, H. P. ...Applicant.

Versus

General Public

...Respondents.

Application under section 8(4) of H.P. Registration of Marriages Act, 1996.

Shri Rakesh Kumar son of Shri Lachhi Ram, resident of Village Thandu, P.O. Kot Beja, Tehsil Kasauli, District Solan, H. P. has moved an application before the undersigned under section 8(4) of H.P. Registration of Marriages Act, 1996 along with affidavits and other documents stating therein that his marriage was solemnized at Village Thandu, P.O. Kot Beja, Tehsil Kasauli, District Solan, H.P. with Smt. Kulwant *alias* Nitu daughter of Shri Dev Raj, resident of Village Tibbi Mohalla, Kalka on 25-11-2007, but their date of marriage could not be entered in the record of Gram Panchayat Kot Beja, Tehsil Kasauli within stipulated period. Hence he prayed for passing necessary orders to the Registrar of Marriages-cum-Secretary, Gram Panchayat Kot Beja, Tehsil Kasauli, for entering the same in the marriage records.

Therefore, by this proclamation the general public is hereby informed that any person having any objection for the registration of delayed registration of marriage of applicant and Smt. Kulwant *alias* Nitu may submit their objections in writing in this court on or before 23-06-2015 at 10.00 A.M. failing which no objection will be entertained after expiry of date.

Given under my hand and seal of the court on this 28th day of May, 2015.

Seal.

Sd/-
(NARAYAN SINGH CHAUHAN)
*Executive Magistrate (Tehsildar),
Kasauli, District Solan, H.P.*

**Before Shri Narayan Singh Chauhan, Executive Magistrate (Tehsildar), Kasauli,
District Solan, H.P.**

Case No. : 7/2015

Date of Institution : 27-5-2015

Date of Decision/
Pending for : 2-7-2015

Shri Vijay Singh son of Shri Ram Saran, resident of Village Mando Matkanda, P.O. Dharampur, Tehsil Kasauli, District Solan, H.P. *...Applicant.*

Versus

General Public

...Respondents.

Application under section 13(3) of Birth and Death Registration Act, 1969.

Shri Vijay Singh son of Shri Ram Saran, resident of Village Mando Matkanda, P.O. Dharampur, Tehsil Kasauli, District Solan, H.P. has moved an application before the undersigned under section 13(3) of Birth & Death Registration Act, 1969 along with affidavits and other documents stating therein that his daughter namely Himani born on 16-8-2012 at Village Mando Matkanda, P.O. Dharampur, Tehsil Kasauli, District Solan, H.P. but her date of birth could not be entered in the record of Gram Panchayat Kasauli Garkhal, Tehsil Kasauli within stipulated period. Hence he prayed for passing necessary orders to the Registrar, Birth & Death Registration, Gram Panchayat Kasauli Garkhal, Tehsil Kasauli, for entering the same in the birth and death records.

Therefore, by this proclamation the general public is hereby informed that any person having any objection for the registration of delayed birth of Himani daughter of Shri Vijay Singh may submit their objections in writing in this court on or before 2-7-2015 at 10.00 A.M. failing which no objection will be entertained after expiry of date.

Given under my hand and seal of the court on this 27th day of May, 2015.

Seal.

Sd/-
(NARAYAN SINGH CHAUHAN)
*Executive Magistrate (Tehsildar),
Kasauli, District Solan, H.P.*

**Before Shri Narayan Singh Chauhan, Executive Magistrate (Tehsildar), Kasauli,
District Solan, H.P.**

Case No. : 8/2015

Date of Institution : 28-5-2015

Date of Decision/
Pending for : 2-7-2015

Shri Ravi Kumar son of Shri Billu Kumar, resident of Village Nahon, P.O. Jabli, Tehsil Kasauli, District Solan, H.P. ...Applicant.

Versus

General Public

...Respondents.

Application under section 13(3) of Birth and Death Registration Act, 1969.

Shri Ravi Kumar son of Shri Billu Kumar, resident of Village Nahon, P.O. Jabli, Tehsil Kasauli, District Solan, H.P. has moved an application before the undersigned under section 13(3) of Birth & Death Registration Act, 1969 along with affidavits and other documents stating therein that his son namely Saurabh Sharma born on 05-02-2011 at Village Nahjon, P.O. Jabli, Tehsil Kasauli, District Solan, H.P. but his date of birth could not be entered in the record of Gram Panchayat Jabli, Tehsil Kasauli within stipulated period. Hence he prayed for passing necessary orders to the Registrar, Birth & Death Registration, Gram Panchayat Jabli, Tehsil Kasauli, for entering the same in the birth and death records.

Therefore, by this proclamation the general public is hereby informed that any person having any objection for the registration of delayed birth of Saurabh Sharma son of Shri Ravi Kumar may submit their objections in writing in this court on or before 2-7-2015 at 10.00 A.M. failing which no objection will be entertained after expiry of date.

Given under my hand and seal of the court on this 28th day of May, 2015.

Seal.

Sd/-
(NARAYAN SINGH CHAUHAN)
*Executive Magistrate (Tehsildar),
Kasauli, District Solan, H.P.*

CHANGE OF NAME

I, Meena Kumari w/o Shailender Kumar Village Nikuwal, P.O. Rajpura, Tehsil Nalagarh, District Solan (H.P.) declare my correct name Meena Kumari instead of Meena which was wrongly written in my daughter school certificate record.

MEENA KUMARI,
w/o Shailender Kumar Village Nikuwal, PO Rajpura,
Tehsil Nalagarh, District Solan (H.P.).

CHANGE OF NAME

I, Shailender Kumar s/o Om Parkash Kaushik, Village Nikuwal, P.O. Rajpura, Tehsil Nalagarh, District Solan (H.P.) declare my daughter name Mrinal Kaushik instead of Mirnal which was wrongly written in school certificate record.

SHAILENDER KUMAR,
*s/o Om Parkash Kaushik, Village Nikuwal,
PO Rajpura, Tehsil Nalagarh, District Solan (H.P.).*

